

Events of Year 2022

newspaper 12w
Prabhjot Marahar Kamyabi
हिंसार भास्कर 08-01-2022

दैनिक भास्कर

जीजेयू के सचिन और तमन्ना नेशनल यूथ फेस्टिवल पांडिचेरी में करेंगे हरियाणा को रिप्रेजेंट

सिटी रिपोर्टर • युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय भारत सरकार की ओर से पांडिचेरी में आयोजित 25वें नेशनल यूथ फेस्टिवल में जीजेयू के एनएसएस के दो वॉलंटियर्स सचिन यादव और तमन्ना हरियाणा को रिप्रेजेंट करेंगे।

यूनिवर्सिटी के फिजियथैरेपी डिपार्टमेंट के फाइनल ईयर के स्टूडेंट सचिन यादव ने बताया कि पांडिचेरी में 12 से 16 जनवरी तक होने जा रही यूथ फेस्टिवल में वह हरियाणा की संस्कृति, सांग, गीत, प्राचीन लोक कला आदि को मंच पर प्रेजेंट करेंगे। वहीं साइकोलॉजी डिपार्टमेंट की फाइनल ईयर की स्टूडेंट तमन्ना ने बताया कि उसे बहुत खुशी है कि पूरे हरियाणा से उसका चयन यूथ फेस्टिवल में हुआ है और वह अपने लिए नहीं बल्कि अपने स्टेट के लिए ट्रॉफी जरूर लेकर आएगी। दोनों स्टूडेंट्स सोशल वर्क में अभी हमेशा आगे रहते हैं।

Kamyabi
Marahar

तीसरी पैरा लॉन बॉल राष्ट्रीय चैंपियनशिप में जीजेयू के छात्र सचिन ने जीता सिल्वर



सिटी रिपोर्टर • महाराष्ट्र में आयोजित तीसरी पैरा लॉन बॉल राष्ट्रीय चैंपियनशिप में गुरु जम्भेश्वर विश्वविद्यालय हिसार के छात्र सचिन यादव ने सिल्वर मेडल हासिल कर विवि का नाम रोशन किया है। मंगलवार को जीजेयू पहुंचे छात्र सचिन का छात्र संगठन 'स्टूडेंट कॉउन्सिल फॉर एजुकेशनल रिफॉर्म्स' ने स्वागत किया।

संगठन के प्रधान महासचिव गुरमेल ढाबी ने कहा कि सचिन ने मेडल जीतकर प्रदेश के साथ जीजेयू का नाम रोशन किया है। सचिन जैसे युवा प्रदेश के लाखों युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत है। उन्होंने कहा कि दूसरे युवाओं को सचिन के जैसे नक्शेकदम पर चलना चाहिए और अपने परिवार, समाज, प्रदेश का नाम रोशन करने चाहिए।

इस मौके पर संगठन राष्ट्रीय प्रधान महासचिव गुरमेल ढाबी, सुरेंद्र, सावन, अमित इंदौरा, तुषार, पवन और शुभम आदि मौजूद रहे।



Sound Bath Technique



Guru Jambheshwar University of Science & Technology, Hisar



CHIEF GUEST Prof. AVNESH VERMA
REGISTRAR, GJUS&T, HISAR

EXPERT LECTURE BY MR. MIKHAIL KOCHEGAROV
SOUND THERAPY EXPERT (MOSCOW, RUSSIA)

PROGRAMME CHAIRPERSON **DR. SHABNAM JOSHI**



Date :- 11.03.2022

Time :- 10:30 a.m.

Venue :- Yoga Hall, T.B.-1

Organised by :-

Dept. of Physiotherapy, GJUS&T, Hisar

जीजेयू में 'साउंड बाथ तकनीक' विषय पर एक अंतरराष्ट्रीय स्तर के व्याख्यान सत्र का आयोजन

पाठकपक्ष न्यूज

हिसार, 12 मार्च : गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार के फिजियोथेरेपी विभाग के सौजन्य से 'साउंड बाथ तकनीक' विषय पर एक अंतरराष्ट्रीय स्तर के व्याख्यान सत्र का आयोजन किया गया। इस सत्र का आयोजन विशेष रूप से फिजियोथेरेपी विभाग में योग विषय के विद्यार्थियों के लिए किया गया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. अवनीश वर्मा ने मुख्यातिथि के रूप में शिरकत की। इस कार्यक्रम में साउंड बाथ विषय पर व्याख्यान हेतु रूस से मिखाइल विषय विशेषज्ञ के तौर पर आमंत्रित थे और उनके सहयोग में अल्वितीना व किन्डम ऑफ माइंड संस्था के जितेंद्र कुमार उपस्थित थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विभाग की अध्यक्षा डॉ. शबनम जोशी ने की। मुख्य अतिथि प्रो. अवनीश वर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि विश्वविद्यालय अपने विद्यार्थियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर की शिक्षा व नई-नई तकनीकों के बारे में अवगत कराने हेतु प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि साउंड बाथ तकनीक जैसी आध्यात्मिक प्रक्रियाओं के माध्यम से



विश्वविद्यालय के शिक्षक, कर्मचारी व विद्यार्थी अपने अवचेतन मन को जागृत कर अपनी प्रतिभाओं को विकसित कर विश्वविद्यालय व राष्ट्र के उत्थान में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर सकते हैं। उन्होंने विभाग की इस पहल पर विभागाध्यक्षा एवं आयोजक टीम की प्रशंसा की। इस अवसर पर मिखाइल ने साउंड बाथ टेक्निक की विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि इस तकनीक से विभिन्न शारीरिक व मानसिक समस्याओं से मुक्ति पाई जा सकती है। जैसे तनाव, अनिद्रा, अवसाद, कुंठा, अनिच्छा, क्रोध, अतीच्छा, चंचलता, उद्विग्नता मानसिक रोग आदि को रोकथाम हेतु अति लाभकारी है। विभागाध्यक्षा प्रो. शबनम जोशी ने बताया कि व्याख्यान

की शुरुआत दीप प्रज्वलन व वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ हुई। व्याख्यान के उपरान्त प्रायोगिक तौर पर साउंड बाथ तकनीक का प्रदर्शन हुआ। कार्यक्रम में विभाग के सभी कक्षाओं के विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। डॉ. कालिन्दी ने मुख्यवक्ता श्री मिखाइल का विस्तृत परिचय दिया। विभाग के डॉ. मनोज मलिक ने धन्यवाद प्रस्ताव किया। निहारिका सिंह रोजडिया ने मंच संचालन किया। इस अवसर पर मेडिकल संकायाध्यक्षा प्रो. नीरू वासुदेवा, डॉ. जसप्रोत कौर, डॉ. नवीन कौशिक, डॉ. रामनिवास, प्रकाश व मानव कुमार, विभाग के शिक्षक, गैर शिक्षक कर्मचारी व विद्यार्थी आदि उपस्थित रहे।

इवेंट • जीजेयू में चल रहे शिविर और व्याख्यान में टीचर्स के साथ छात्र-छात्राओं को भी दिए टिप्स

साउंड बाथ तकनीक के जरिये पाई जा सकती है शारीरिक और मानसिक समस्याओं से मुक्ति

सिटी रिपोर्टर • साउंड बाथ तकनीक से विभिन्न शारीरिक व मानसिक समस्याओं से मुक्ति पाई जा सकती है। जैसे तनाव, अनिद्रा, अवसाद, कुंठा, अनिच्छा, क्रोध, अतीच्छा, चंचलता, उद्विग्नता मानसिक रोग आदि की रोकथाम के लिए अति लाभकारी है।

जीजेयू के फिजियोथेरेपी विभाग के सौजन्य से 'साउंड बाथ तकनीक' विषय पर एक अंतरराष्ट्रीय स्तर के व्याख्यान सत्र और शिविर आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. अवनोशा वर्मा रहे। कार्यक्रम में साउंड बाथ विषय पर व्याख्यान के लिए रूस से मिखाइल विषय विशेषज्ञ के तौर



पर आमंत्रित थे और उनके सहयोग में अल्ल्वतीना व विज्डम ऑफ माइंड संस्था के जितेंद्र कुमार उपस्थित थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विभाग की

अध्यक्षा डॉ. शबनम जोशी ने की। प्रो. अवनोशा वर्मा ने कहा कि साउंड बाथ तकनीक जैसी आध्यात्मिक प्रक्रियाओं के माध्यम से विवि के शिक्षक,

कर्मचारी व विद्यार्थी अपने अवचेतन मन को जागृत कर अपनी प्रतिभाओं को विकसित कर विश्वविद्यालय व राष्ट्र के उत्थान में महत्वपूर्ण भूमिका

अदा कर सकते हैं। मिखाइल ने साउंड बाथ टेक्निक की जानकारी देते हुए बताया कि इस तकनीक से विभिन्न शारीरिक व मानसिक समस्याओं से मुक्ति पाई जा सकती है। विभागाध्यक्षा प्रो. शबनम जोशी ने बताया कि व्याख्यान की शुरुआत दीप प्रज्वलन व वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ हुई।

इस मौके पर डॉ. कालिन्दी, विभाग के डॉ. मनोज मलिक, निहारिका सिंह रोजडिया, मेडिकल संकायाध्यक्षा प्रो. नीरू वासुदेवा, डॉ. जसप्रीत कौर, डॉ. नवीन कौशिक, डॉ. रामनिवास, प्रकाश व मानव कुमार, विभाग के शिक्षक, गैर शिक्षक कर्मचारी व विद्यार्थी आदि उपस्थित रहे।

Events of Year 2021



DEPARTMENT OF PHYSIOTHERAPY
Guru Jambheshwar University
of Science and Technology, Hisar, Haryana
(A Haryana State Govt. University, Accredited 'A' Grade by NAAC)



Invites You to Participate in One Day Webinar on International
Day of Yoga

on

Topic: "Role of Yogic Practices in Present Pandemic Scenario"



CHIEF GUEST
Prof. TANKESHWAR KUMAR
Hon'ble Vice Chancellor
GJUS&T, Hisar.

Registration Link :
https://docs.google.com/forms/d/1-fk5RgWTUmtYm6gZAXQqBeWR1Tzn_EYplOZYCgWs

Zoom Meeting Link:
<https://us02web.zoom.us/j/83865855667?pwd=UEk1dWQ2VWdTMWw5TTBhbnM5QzN0VHda09>
Meeting ID: 838 6585 5667 Passcode: 693464



Keynote **SPEAKER**
Prof. MONIKA VERMA
Dean, Research and Dean of Education
CDLU, Sirsa

Date:
Monday
21st June, 2021.



GUEST OF HONOR
Prof. AVNESH VERMA,
Registrar, GJUS&T,
Hisar.



Dr. SHABNAM JOSHI
Chairperson,
Deptt. of Physiotherapy
GJUS&T, Hisar



Dr. MANOJ MALIK
Convener,
Assistant Professor,
Deptt. of Physiotherapy,
GJUS&T, Hisar

Time:
07:00-09:30 AM

Two sessions:
Session 1: International Yoga Day Protocol (practice session): 07:20 AM

Session 2: Keynote Lecture by Prof. Monika Verma : 08.20 AM

ORGANIZING COMMITTEE

Dr. Jaspreet Kaur
Co-convener

Dr. Naveen Kaushik
Member

Ms. Niharika S. Rojaria
Member

Mr. Parkash
Member

Mr. Manav Kumar
Member

8:58



REC LIVE



Niharika Singh-



Dr. Naveen Kaushik



योगाचार्य प्रकाश असिस्टेंट प्रोफेसर योग



Tankeshwar Kumar

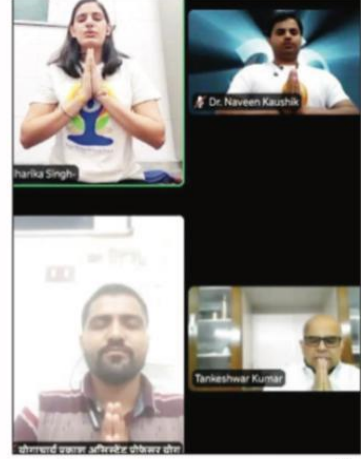




शरीर को निरोगी रखने के लिए योग से बड़ा कोई साधन नहीं : प्रो. टंकेश्वर

समस्त हरियाणा न्यूज
हिसार। गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा है कि आज पूरा विश्व कोरोना महामारी के दौर से गुजर रहा है, इसमें योग अपनी एक अहम् भूमिका निभा रहा है। योग के माध्यम से रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाकर कोरोना से लड़ा जा सकता है। प्रो. टंकेश्वर कुमार अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य पर विश्वविद्यालय के फिजियोथेरेपी विभाग द्वारा 'वर्तमान कोरोना महामारी के परिदृश्य में योग का महत्व' विषय पर आयोजित वेबिनार को बतौर मुख्यातिथि सम्बोधित कर रहे थे। चौधरी देवीलाल विश्वविद्यालय सिरसा की डीन रिसर्च एवं डीन ऑफ एजुकेशन

प्रो. मोनिका वर्मा मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रही। विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. अवनीश वर्मा बतौर विशिष्ट अतिथि उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विभाग की अध्यक्षता डा. शबनम जोशी ने की। डा. मनोज मलिक ने कार्यक्रम का संयोजन किया। डा. नवीन कौशिक द्वारा योग दिवस प्रोटोकॉल अभ्यास करवाया गया। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि शरीर को निरोगी रखने के लिए योग से बड़ा कोई साधन नहीं है। योग के माध्यम से मन को काबू व शरीर को स्वस्थ रखा जा सकता है। उन्होंने कहा कि योग से मानव जाति व समाज का कल्याण होता है। डा. शबनम जोशी ने बताया कि वेबिनार में 300 से अधिक प्रतिभागियों ने



भाग लिया। इस अवसर पर डा. जसप्रीत कौर, डा. कालिंदी, डा. रामनिवास, डा. निहारिका सिंह, डा. मानव कुमार व योगाचार्य प्रकाश उपस्थित रहे।

सभी दुःखों का मूल कारण-अविद्या : डॉ. आर्य

गुज्रवि में सात दिवसीय 'प्रतिरोधक क्षमता एवं मानसिक स्वास्थ्य के लिए योग' विषय पर ऑनलाइन कार्यशाला शुरू

सिटी पल्स न्यूज़, हिसार। गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय हिसार के फिजियोथेरेपी विभाग, हिसार के सौजन्य से 'प्रतिरोधक क्षमता एवं मानसिक स्वास्थ्य के लिए योग' विषय पर सात दिवसीय कार्यशाला शुरू हुई। इस ऑनलाइन कार्यशाला का शुभारंभ मुख्यातिथि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने किया। हरियाणा योग परिषद् के अध्यक्ष डॉ. जयदीप आर्य कार्यशाला के मुख्य वक्ता थे। अध्यक्षता विभागाध्यक्ष प्रो. सुनील शर्मा ने की।

कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि योग भारत की दुनिया को अद्भुत देन है। योग से हम बिना किसी दुष्प्रभाव से स्वस्थ जीवन जी सकते हैं। वर्तमान समय में कोविड-19 महामारी के बचाव में भी योग की अत्यन्त महत्वपूर्ण भूमिका है। योग को अपनाकर हम अपने शरीर को योग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि यह कार्यशाला प्रतिभागियों के लिए अत्यन्त उपयोगी साबित होगी।

मुख्य वक्ता डॉ. जयदीप आर्य ने कहा कि जीवन में योगिक एवं सात्विक आहार का बहुत अधिक महत्व है। उन्होंने कहा कि जैसा होगा अन्न वैसा



हिसार। गुज्रविप्रौवि हिसार द्वारा आयोजित ऑनलाइन कार्यशाला में भाग लेते शिक्षक एवं प्रतिभागी।

खेगा मन। इस प्रकार के आहार सेवन से व्यक्ति निरोगी, दीर्घायु, कुपाय बुद्धि, ओज एवं बल को प्राप्त करता है। सभी दुःखों का मूल कारण अज्ञान है। आहार विहार का सही ज्ञान एवं उनका परस्पर तालमेल एवं संतुलन बनाए रखना अति आवश्यक है, जिससे प्रत्येक प्राणी पूर्णरूपेण स्वस्थ, निरोग एवं सौहार्दपूर्ण जीवन व्यतीत कर सकता है। विभागाध्यक्ष प्रो. सुनील शर्मा ने कहा कि कार्यशाला के आयोजन का उद्देश्य प्रतिभागियों को प्रतिरोधक क्षमता एवं मानसिक स्वास्थ्य के लिए योग के प्रति जागरूक करना है। उन्होंने कार्यशाला की कार्ययोजना तथा उसके विभिन्न आयामों के बारे में अवगत कराया। उन्होंने कहा कि योग के नियमित अभ्यास से मानसिक, शारीरिक और बौद्धिक स्वास्थ्य बेहतर होता है। योग के लाभों के बारे में लोगों को जागरूक करने के लिए ही अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया जाता है। ऑनलाइन कार्यशाला के दौरान विभाग के शिक्षक डॉ. शबनम जोशी, डॉ. मनोज मलिक, डॉ. जसप्रीत कौर, डॉ. कालिन्दी, डॉ. सोनू पुनिया, डॉ. रेखा चतुर्वेदी, डॉ. पंकज खटक, मोहन एवं पतञ्जलि योगपीठ के कार्यकर्ताओं सहित अनेक विद्यार्थी, शिक्षक एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाकर कोरोना से लड़ा जा सकता है : प्रो. टंकेश्वर

हिसार. गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा है कि आज पूरा विश्व कोरोना महामारी के दौर से गुजर रहा है, इसमें योग अपनी एक अहम भूमिका निभा रहा है। योग के माध्यम से रोग प्रतिरोधक क्षमता को

बढ़ाकर कोरोना से लड़ा जा सकता है। वह अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य पर विश्वविद्यालय के फिजियोथेरेपी विभाग द्वारा 'वर्तमान कोरोना महामारी के परिदृश्य में योग का महत्व' विषय पर आयोजित वैबीनार को बतौर मुख्यातिथि सम्बोधित कर रहे थे।

योग अपनाकर बढ़ा सकते हैं रोग प्रतिरोधक क्षमता : कुलपति

हिसार। गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (गुजवि) के फिजियोथैरेपी विभाग की तरफ से 'प्रतिरोधक क्षमता एवं मानसिक स्वास्थ्य के लिए योग' विषय पर सात दिवसीय कार्यशाला शुरू हुई। ऑनलाइन कार्यशाला का शुभारंभ मुख्यातिथि कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने किया। हरियाणा योग परिषद के अध्यक्ष डॉ. जयदीप आर्य कार्यशाला के मुख्य वक्ता थे। अध्यक्षता प्रो. सुनील शर्मा ने की। कुलपति ने कहा कि योग भारत की दुनिया को अद्भुत देन है। योग से हम बिना किसी दुष्प्रभाव से स्वस्थ जीवन जी सकते हैं। वर्तमान समय में कोरोना के बचाव में भी योग की महत्वपूर्ण भूमिका है। योग को अपनाकर हम अपने शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत कर सकते हैं। मुख्य वक्ता डॉ. जयदीप आर्य ने कहा कि जीवन में यौगिक एवं सात्विक आहार का अधिक महत्व है।

DEPARTMENT OF PHYSIOTHERAPY
GURU JAMBHESWAR UNIVERSITY OF SCIENCE AND TECHNOLOGY,
HISAR

PTY/2021..532.....
Dated ..06/08/21.

Details of workshop conducted for skill development of students in Department of Physiotherapy

The Department of Physiotherapy had conducted a hands on seminar/ workshop on "Lower quadrant functional evaluation and mobilization" for skill development of the students on 25-02-2019 by Dr. Amir Khan (PT) at Department of Physiotherapy as mentioned in letter no.PTY/2019/261.


Chairperson

DEPARTMENT OF PHYSIOTHERAPY
GURU JAMBHESWAR UNIVERSITY OF SCIENCE AND TECHNOLOGY,
HISAR

PTY/2021...532.....
Dated ...06/08/21

Details of workshop on research methodology conducted in Department of Physiotherapy

The Department of Physiotherapy had conducted a two days expert lecture on "Research methodology and Biostatistics" on 28-29 April, 2018 by Dr. Asir John Samuel at Department of Physiotherapy for faculty and research scholars as mentioned in letter no.PTY/2018/456.

Asir John Samuel
Chairperson

नवयोग सूर्योदय सेवा समिति
एवं गुरु जंभेश्वर यूनिवर्सिटी ऑफ
साइन्स एण्ड टेक्नालजी के संयुक्त
तत्त्वावधान में अंतरराष्ट्रीय वेबीनार

21 जून 2021 सोमवार

समय सायं 4:00 PM

बदलते परिदृश्य में योग से शारीरिक
मानसिक और आध्यात्मिक विकास

मुख्य अतिथि



श्री भगत सिंह कोश्यारी
मा० राज्यपाल
महाराष्ट्र एवम् गोवा

विशिष्ट अतिथि



श्री अर्जुन मेघवाल
मा० संसदीय कार्य
राज्यमंत्री भारत सरकार

Organized by
NAVYOG SURYODAYA SEVA SAMITI
Navyoga institute of Naturopathy
and yoga science , Navyoga gram ,
Tanakpur, Uttarakhand,
@navyogaMind,
<https://www.navyoga.com>,



International Yoga Day 2021
Celebration

अध्यक्षता



प्रो० टंकेश्वर कुमार
कुलपति, गुरु जंभेश्वर
विद्यान और प्रौद्योगिकी
विश्वविद्यालय,
हिसार

विशेष अतिथि



स्वामी ब्रह्मा देव
महर्षि वैदिक, विश्वविद्यालय
कुलपति, त्रिनिदाद,
वेस्ट इंडीज

विशेष अतिथि



प्रो० महेश प्रसाद
विभागाध्यक्ष, योग
विज्ञान विभाग



डा० देवी दत्त जोशी
अध्यक्ष, नवयोग
डोन्वोपैथी शोध केंद्र



श्री राजावल्लभ बीडाई
राष्ट्रीय संयोजक
नवयोग शोध एवम् प्रचार
प्रसार संस्थान

वक्ता

मुख्य वक्ता



डा० नवदीप जोशी
अंतरराष्ट्रीय, नाट्योग गुरु



डा० विक्रम सिंह
अध्यक्ष
नवयोग शोध एवम् प्रचार
प्रसार संस्थान



श्री गिरीश झा
माहेंद्रकुलनेस मेडिटेशन
चिकित्सक गिल्ड, यूएसए



डा० नवीन कौशिक
सहायक प्रोफेसर, योग प्रतियोगिता विभाग,
गुरु जंभेश्वर, हिंसार

कार्यक्रम संयोजक



योगाचार्य प्रकाश
योग सहायक प्रोफेसर, योग प्रतियोगिता
विभाग, गुरु जंभेश्वर,
हिंसार



श्रीगौरी नीशा सिंह
योग और फिटनेस विशेषज्ञ
सॉलिनर नर्तन केंद्र इन्टरनेट,
रक्षा मंत्रालय

LIVE @navdeepyoga



गुरु जंभेश्वर यूनिवर्सिटी ऑफ साइन्स एण्ड टेक्नालजी
एवं नवयोग सूर्योदय सेवा समिति के संयुक्त
तत्त्वावधान में अंतरराष्ट्रीय वेबीनार

भाग 22

विषय: योग एवं सूजोक एक्जूप्रेशर चिकित्सा

मुख्य अतिथि



श्री अविनाश राय खन्ना
राज्यसभा सांसद
राष्ट्रीय उपाध्यक्ष
भारतीय जनता पार्टी

अध्यक्षता



प्रो० केशव कुमार
कुलपति, गुरु जंभेश्वर
विज्ञान और प्रौद्योगिकी
विश्वविद्यालय, हिसार

विशिष्ट अतिथि



श्री विजय आनंद
योग केंद्र, ब्रिंघम
यूनाइटेड किंगडम

वक्ता



डा० नवीन कौशिक
सहायक प्रोफेसर
योग फिजियोथेरेपी
विभाग, गुरु जंभेश्वर,
दिवि हिसार

वक्ता



डा० सतेंद्र मिश्रा
प्राकृतिक चिकित्सा संकल्प
लखनऊ विश्वविद्यालय

समन्वयक



योगाचार्य प्रकाश
सहायक प्रोफेसर
योग फिजियोथेरेपी
विभाग, गुरु जंभेश्वर
दिवि हिसार

संयोजक



डा० नवदीप जोशी
संस्थापक, नवयोग

सहसंयोजक



डा० विक्रम सिंह
निदेशक खेल विभाग
जवाहरलाल नेहरू



www.facebook.com/navdeepyoga/

दिनांक 27 सितम्बर, समय सायं 04 बजे

गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार
एवं
नवयोग सूर्योदय सेवा समिति के संयुक्त तत्वाधान में, 150^{वें} गांधी जयंती के
उपलक्ष्य में

अंतरराष्ट्रीय वेबीनार

विषय- योग एवं सुजोक एक्स्प्रेस चिकित्सा

दिनांक - 27 सितम्बर , समय सायं-4:00 बजे

संचालन - डॉ विक्रम सिंह एवं योगाचार्य प्रकाश

4.00 pm	दीप प्रज्वलन
4.05 pm	स्वस्तिवाचन
4.10 pm	स्वागत संबोधन - योगाचार्य प्रकाश, सह०आचार्य, गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय
4.15 pm	प्रस्तावना- डा. नवदीप जोशी, संस्थापक , नवयोग
4.30 pm	वक्ता - डॉ सतेन्द्र मिश्रा , योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा विभाग , लखनऊ विश्वविद्यालय
4.50 pm	विशिष्ट अतिथि- श्री विजय आनंद, बर्मिंघम, इंग्लैंड
5.10 pm	मुख्य अतिथि – श्री अविनाश राय खन्ना, राज्यसभा सांसद,राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, भारतीय जनता पार्टी
5.30 pm	वक्ता- डॉ नवीन कोशिक,सह०आचार्य, गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय
5.45 pm	अध्यक्षता - प्रो० टंकेश्वर कुमार ,कुलपति, गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय
6.05 pm	धन्यवाद प्रस्ताव -डा. विक्रम सिंह, जे.एन.यू.

Events of Year 2020



हिसार भास्कर 04-07-2020

डॉ. सावंत ने कहा- राजसी एवं तामसिक आहार से ही व्यक्ति शारीरिक एवं मानसिक रोगों से हो रहा ग्रस्त जीजेयू में आयोजित सात दिवसीय योग कार्यशाला का वीसी ने किया उद्घाटन

भास्कर न्यूज़ | हिसार

जीजेयू के फिजियोथेरेपी विभाग की ओर से 'प्रतिरोधक क्षमता एवं मानसिक स्वास्थ्य के लिए योग' विषय पर सात दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला के उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार रहे। वर्कशॉप मुख्यवक्ता सावंत हॉस्पिटल, हिसार की अध्यक्ष डॉ. सत्य सावंत एवं विभागाध्यक्ष प्रो. सुनील शर्मा की अध्यक्षता में प्रारम्भ हुआ। इसमें 90 पार्टिसिपेंट्स रहे। इस मौके प्रोफेसर टंकेश्वर कुमार ने कहा कि योग भारत की दुनिया को अद्भुत देन है। योग से हम बिना किसी दुष्प्रभाव स्वस्थ जीवन जी सकते हैं।

डॉ. सत्य सावंत ने कहा कि जीवन में यौगिक एवं सात्विक आहार का बहुत अधिक महत्व है। जैसा होगा अन्न वैसा होगा मन। आहार सेवन से व्यक्ति निरोगी, दीर्घायु, कुशाग्र बुद्धि, ओज एव बल को प्राप्त करता है। राजसी आहार द्वारा चित्त में चंचलता एवं क्रोध उत्पन्न होते हैं तो तामसिक आहार से



योग कार्यशाला में भाग लेते लोग।

व्यक्ति में आलस्य एवं जड़ता आती है। राजसी एवं तामसिक आहार के कारण ही व्यक्ति अनेक शारीरिक एवं मानसिक रोगों से ग्रस्त हो रहा है। कार्यक्रम का संचालन डॉ. प्रज्ञा कौशिक और सहायक अध्यापिका निहारिका सिंह ने किया। प्रो. सुनील शर्मा कार्यशाला की कार्य योजना तथा उसके विभिन्न आयामों के बारे में अवगत कराया। ऑनलाइन कार्यशाला के दौरान विभाग के शिक्षक डॉ. शबनम जोशी, डॉ. मनोज मलिक, डॉ. जसप्रीत कौर, डॉ. कालिन्दी, डॉ. सोनू पुनिया, डॉ. रेखा चतुर्वेदी, डॉ. पंकज खटक, डॉ. कालिन्दी, डॉ. विक्रम कौशिक, मोहन सहित पतंजलि योगपीठ के अनेक कार्यकर्ताओं सहित अनेक विद्यार्थी, शिक्षक एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

इधर, ऑनलाइन समूह वार्ता में छात्रों ने लिया हिस्सा

हिसार | जीजेयू के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के सौजन्य से चल रहे पाक्षिक वर्चुअल स्पीकथॉन कार्यक्रम के तहत ऑनलाइन समूह वार्ता (ग्रुप डिस्कशन) प्रतियोगिता का आयोजन किया। ऑनलाइन समूह वार्ता में विभिन्न विभागों के 27 विद्यार्थियों ने भाग लिया। टाइम हिसार के निदेशक पंकज चौधरी व रजनीश तथा हरियाणा स्कूल ऑफ बिजनेस की एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. सविता ने कार्यक्रम में निर्णायक की भूमिका निभाई। पंकज चौधरी ने समूह वार्ता में प्रभावी रूप से भाग कैसे ले के बारे में ओरिएंटेशन के साथ कार्यक्रम की शुरुआत की। उन्होंने बताया कि अधिकतर नियुक्तियों या दाखिलों में, समूह वार्ता का उपयोग ऐलिमिनेशन प्रोसेस के रूप में किया जाता है। इसलिए समूह वार्ता में अच्छा होना अत्यंत महत्वपूर्ण है। ग्रुप डिस्कशन के इस माध्यम का उपयोग मूल्यांकनकर्ता उम्मीदवारों के संचार कौशल, विषय ज्ञान, आत्मविश्वास बढ़ाने में कर सकते हैं।



E



8:03



Invitation #GJU...



Guru Jambheshwar University
of Science and Technology Hisar – Haryana (India)
'A' Grade University Accredited by NAAC



Invitation



Date
14th – 20th June 2020

Timing
07:00 – 09:00 AM

Yoga for Harmony & Peace

**National e-Workshop on
Yoga for Immunity and Mental Health**

Registration Link : <https://forms.gle/WitpvEZdNkj22p1BA>



गुजवि में प्रतिरोधक क्षमता एवं मानसिक स्वास्थ्य पर कार्यशाला

योग बढ़ाता है शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता

हरिभूमि व्यूज » हिंसार

गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के फिजियोथेरेपी विभाग के सौजन्य से प्रतिरोधक क्षमता एवं मानसिक स्वास्थ्य के लिए योग विषय पर सात दिवसीय कार्यशाला शुरू हुई। इस ऑनलाइन कार्यशाला का शुभारंभ मुख्यातिथि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने किया। हरियाणा योग परिषद् के अध्यक्ष डॉ. जयदीप आर्य कार्यशाला के मुख्य वक्ता थे। अध्यक्षता विभागाध्यक्ष प्रो. सुनील शर्मा ने की। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अपने संबोधन में कहा कि योग भारत की दुनिया को अद्भुत देन



हिंसार | गुजवि द्वारा आयोजित ऑनलाइन कार्यशाला में भाग लेते शिक्षक एवं प्रतिभागी। फोटो : हरिभूमि

है। योग से हम बिना किसी दुष्प्रभाव से स्वस्थ जीवन जी सकते हैं। वर्तमान समय में कोविड-19 महामारी के बचाव में भी योग को

अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका है। योग को अपनाकर हम अपने शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत कर सकते हैं।

जैसा होगा अन्न वैसा होगा मन : आर्य

मुख्य वक्ता डॉ. जयदीप आर्य ने अपने संबोधन में कहा कि जीवन में योगिक एवं तंत्रिक आहार का बहुत अधिक महत्व है। उन्होंने कहा कि जीवन जैसा कैसा होगा मन। इस प्रकार के आहार सेवन से व्यक्ति को जीवन, दीर्घायु, सुख, सुस्ति, अंज एव वल को प्राप्त करता है। राजसी आहार द्वारा चित्त में शांति एवं क्रोध उत्पन्न होते हैं और तामसिक आहार से व्यक्ति में आलस्य एवं जड़ता आती है। राजसी एवं तामसिक आहार के कारण ही व्यक्ति अनेक शारीरिक एवं मानसिक रोगों से ग्रस्त हो रहा है। अज्ञानता एवं भौतिकता के कारण हम प्रकृति से दूर होते जा रहे हैं, जिससे अस्मिता, राग, द्वेष एवं अभिनिवेश आदि अनेक प्रकार के क्लेशों को उत्पन्न हो रही है। सभी दुखों का मूल कारण अज्ञान है।

स्वास्थ्य के लिए योग जरूरी : शर्मा

विभागाध्यक्ष प्रो. सुनील शर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि कार्यशाला के आयोजन का उद्देश्य प्रतिभागियों को प्रतिरोधक क्षमता एवं मानसिक स्वास्थ्य के लिए योग के प्रति जागरूक करना है। उन्होंने कहा कि योग के नियमित अभ्यास से मानसिक, शारीरिक और बौद्धिक स्वास्थ्य बेहतर होता है। योग के लाभों के बारे में लोगों को जागरूक करने के लिए ही अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया जाता है। यह सात दिवसीय कार्यशाला भी इसी संदर्भ में आयोजित की जा रही है। कार्यशाला के दौरान प्रातः कालीन प्रायोगिक सब का संचालन व अंतर्राष्ट्रीय योग प्रोटोकॉल का अभ्यास विभागीय सहायक प्राध्यापक डा. नवीन कौशिक द्वारा करवाया जाता है। सहायक प्राध्यापक निहारिका सिंह रो-जडिया ने कार्यक्रम का संचालन एवं अतिथि विद्वानों व श्रोताओं का धन्यवाद व आभार प्रस्तुत किया। ऑनलाइन कार्यशाला के दौरान डॉ. शबनम जोशी, डॉ. अनील मलिक व।

सभी दुखों का मूल कारण-अविद्या : डा. जयदीप आर्य

पाठकपक्ष व्यूज

हिंसार, 15 जून : गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय हिंसार के फिजियोथेरेपी विभाग, हिंसार के सौजन्य से 'प्रतिरोधक क्षमता एवं मानसिक स्वास्थ्य के लिए योग' विषय पर सात दिवसीय कार्यशाला शुरू हुई। इस ऑनलाइन कार्यशाला का शुभारंभ मुख्यातिथि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने किया। हरियाणा योग परिषद् के अध्यक्ष डॉ. जयदीप आर्य कार्यशाला के मुख्य वक्ता थे। अध्यक्षता विभागाध्यक्ष प्रो. सुनील शर्मा ने की। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अपने संबोधन में कहा कि योग भारत की दुनिया को अद्भुत देन है। योग से हम बिना किसी दुष्प्रभाव से स्वस्थ जीवन जी सकते हैं। वर्तमान समय में कोविड-19 महामारी के बचाव में भी योग की अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका है। योग को अपनाकर हम अपने शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि यह कार्यशाला प्रतिभागियों के लिए अत्यंत उपयोगी साबित होगी। मुख्य वक्ता डा. जयदीप आर्य ने अपने संबोधन में कहा कि जीवन में

योगिक एवं सात्विक आहार का बहुत अधिक महत्व है। उन्होंने कहा कि जैसा होगा अन्न वैसा होगा मन। इस प्रकार के आहार सेवन से व्यक्ति निरोगी, दीर्घायु, कुशल बुद्धि, अंज एव वल को प्राप्त करता है। राजसी आहार द्वारा चित्त में चंचलता एवं क्रोध उत्पन्न होते हैं और तामसिक आहार से व्यक्ति में आलस्य एवं जड़ता आती है। राजसी एवं तामसिक आहार के कारण ही व्यक्ति अनेक शारीरिक एवं मानसिक रोगों से ग्रस्त हो रहा है। अज्ञानता एवं भौतिकता के कारण हम प्रकृति से दूर होते जा रहे हैं, जिससे अस्मिता, राग, द्वेष एवं अभिनिवेश आदि अनेक प्रकार के क्लेशों को उत्पन्न हो रही है। सभी दुखों का मूल कारण अज्ञान है। आहार विहार का सही ज्ञान एवं उनका परस्पर तालमेल एवं संतुलन बनाए रखना अति आवश्यक है, जिससे प्रत्येक प्राणी पूर्णरूपेण स्वस्थ, निरोग एवं सौहार्दपूर्ण जीवन व्यतीत कर सकता है। विभागाध्यक्ष प्रो. सुनील शर्मा ने अपने स्वागत संबोधन में कहा कि कार्यशाला के आयोजन का उद्देश्य प्रतिभागियों को प्रतिरोधक क्षमता एवं मानसिक स्वास्थ्य के लिए योग के प्रति

जागरूक करना है। उन्होंने कार्यशाला की कार्ययोजना तथा उसके विभिन्न आयामों के बारे में अवगत कराया। उन्होंने कहा कि योग के नियमित अभ्यास से मानसिक, शारीरिक और बौद्धिक स्वास्थ्य बेहतर होता है। योग के लाभों के बारे में लोगों को जागरूक करने के लिए ही अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया जाता है। यह सात दिवसीय कार्यशाला भी इसी संदर्भ में आयोजित की जा रही है। कार्यशाला के दौरान प्रातः कालीन प्रायोगिक सब का संचालन व अंतर्राष्ट्रीय योग प्रोटोकॉल का अभ्यास विभागीय सहायक प्राध्यापक डा. नवीन कौशिक द्वारा करवाया जाता है। सहायक प्राध्यापक निहारिका सिंह रो-जडिया ने कार्यक्रम का संचालन एवं अतिथि विद्वानों व श्रोताओं का धन्यवाद व आभार प्रस्तुत किया। ऑनलाइन कार्यशाला के दौरान विभाग के शिक्षक डा. शबनम जोशी, डा. मनोज मलिक, डा. जसप्रीत कौर, डा. कालिन्दी, डा. सोनू पुनिया, डा. रेखा चतुर्वेदी, डा. पंकज खटक, मोहन एवं पर्वजलि योगपीठ के कार्यकर्ताओं सहित अनेक विद्यार्थी, शिक्षक एवं कर्मचारी उपस्थित थे। वर्तमान में फिजियोथेरेपी विभाग



मास्टर ऑफ साइंस की डिग्री एवं एक वर्ष का स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम चला रहा है जिसमें क्रमशः 40 व 30 सैटों की क्षमता है। बी.पी.टी., एम.पी.टी. और पी.एच.डी. पाठ्यक्रम चला रहा है साथ ही विभाग फिजियोथेरेपी और योग में भुक्त ओ.पी.डी. सेवाएं प्रदान कर रहा है।

कोविड-19 से बचाव के लिए योग बेहतर: वीसी

जीजेयू में प्रतिरोधक क्षमता एवं मानसिक स्वास्थ्य के लिए योग विषय पर सात दिवसीय कार्यशाला

भास्कर नृजं हिंसार

गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के फिजियोथेरेपी विभाग के सौजन्य से प्रतिरोधक क्षमता एवं मानसिक स्वास्थ्य के लिए योग विषय पर सात दिवसीय कार्यशाला का शुभारंभ किया गया। इसमें मुख्यातिथि के रूप में कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार रहे। हरियाणा योग परिषद के अध्यक्ष डॉ. जयदीप आर्य कार्यशाला में मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे व अध्यक्षता विभागाध्यक्ष प्रो. सुनील शर्मा ने की। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि योग भारत की दुनिया को अद्भुत देन है। योग से हम बिना किसी दुष्प्रभाव से स्वस्थ जीवन जी सकते हैं। वर्तमान समय में कोविड-19 महामारी के बचकव में भी योग की अत्यन्त महत्वपूर्ण भूमिका है। योग को अपनाकर हम अपने शरीर



का रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि यह कार्यशाला प्रतिभागियों के लिए अत्यन्त उपयोगी साबित होगी। डॉ. जयदीप आर्य ने कहा कि जीवन में योगिक एवं सात्विक आहार

का बहुत अधिक महत्व है। उन्होंने कहा कि जैसा होगा अन्न वैसा होगा मन। इस प्रकार के आहार सेवन से व्यक्ति निरोगी, दीर्घायु, कुषाग्र बुद्धि, ओज एवं कल को प्राप्त करता है। राजसी आहार द्वारा चित्त में चंचलता एवं क्रोध उत्पन्न होते हैं और ताम्बिसक आहार से व्यक्ति में आलस्य एवं जड़ता आती है।

राजसी एवं ताम्बिसक आहार के कारण ही व्यक्ति अनेक शारीरिक एवं मानसिक रोगों से ग्रस्त हो रहा है। अज्ञान एवं भौतिकता के कारण हम प्रकृति से दूर होते जा रहे हैं, जिससे अस्मिता, राग, द्वेष एवं अभिनिवेश आदि अनेक प्रकार के कलशों की उत्पत्ति हो रही है। सभी दुखों का मूल कारण अज्ञान है। विभागाध्यक्ष प्रो. सुनील शर्मा ने कहा कि कार्यशाला के आयोजन का उद्देश्य प्रतिभागियों को प्रतिरोधक क्षमता एवं मानसिक स्वास्थ्य के लिए योग के

प्रति जागरूक करना है। उन्होंने कहा कि योग के नियमित अभ्यास से मानसिक, शारीरिक और बौद्धिक स्वास्थ्य बेहतर होता है।

योग के लाभों के बारे में लोगों को जागरूक करने के लिए ही अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया जात है। यह सात दिवसीय कार्यशाला भी इसी संदर्भ में आयोजित की जा रही है। कार्यशाला के दौरान प्रातः कालीन प्रायोगिक सत्र का संचालन व अंतर्राष्ट्रीय योग प्रोटोकॉल का अभ्यास विभागीय सहायक प्राध्यापक डा. नवीन कौशिक द्वारा करवाया जात है। सहायक प्राध्यापक निहारिका सिंह रोजडिया ने कार्यक्रम का संचालन किया। इस मौके पर डॉ. शबनम जोशी, डॉक्टर मनोज मलिक, डॉक्टर जसप्रीत चौर, डॉक्टर कालिन्दी, डॉक्टर सोनु पुनिया, डॉक्टर रेखा चतुर्वेदी, डॉक्टर फंकज खटक, मोहन मौजूद रहे।

Events of Year 2019

नित्य शक्ति टाइम्स (हिंसार) शुक्रवार, 21 जून, 2019

8

निरोगी शरीर के लिए प्रतिदिन योग करें व्यक्ति : टंकेश्वर

हिंसार, 21 जून (निस)। गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के फिजियोथेरेपी विभाग द्वारा फ्रैगमेंस गार्डन में पांचवां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार इसमें मुख्यातिथि के तौर पर उपस्थित रहे। प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि पांचवां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस भारत देश के ही पूरा विश्व एक साथ मना रहा है। योग शरीर के विभिन्न रोगों को दूर करने में अहम भूमिका निभा रहा है। एक निरोगी शरीर के लिए व्यक्ति को प्रतिदिन योग करना चाहिए। निरोगी व्यक्ति ही अपने समाज व राष्ट्र की उन्नति व विकास के लिए प्रयास कर सकता है। पढ़ाई व परीक्षा परीणाम को लेकर विद्यार्थियों में होने वाले

मानसिक तनाव को योग के माध्यम से दूर किया जा सकता है। योगाभ्यास करने वाले विद्यार्थियों का पढ़ाई में भी अधिक मन लगता है। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रतिदिन योग करने की सलाह दी। फिजियोथेरेपी विभाग के डॉ. नवीन कौशिक ने आयुष मंत्रालय से प्राप्त योगाभ्यास क्रम के प्रोटोकॉल का अभ्यास करवाया गया। मंच का संचालन निहारिका सिंह रोजडिया द्वारा किया गया। विभाग की छात्राएं सीमा, मोनिका कुमारी, पुष्पा मन्जू, मोनिका एवं स्वीटी द्वारा सामूहिक योगाभ्यास का प्रदर्शन कर सभी प्रतिभागियों को मंत्रमुग्ध किया। शिविर के दौरान सूर्य नमस्कार, योगिंग-जोगिंग, अर्धहलासन, चिद्धक्रांकासन, पवनमुक्तासन, धुंजंगासन, नौकासन, वक्रासन, अनुलोम-विलोम व कपालभाति आदि योगाभ्यास करवाए गए। योग सत्र का समापन हास्यासन व ताली योग से किया। फिजियोथेरेपी विभाग की इंचार्ज डा. शबनम जोशी ने सफलतापूर्वक कार्यक्रम समापन होने पर धन्यवाद व्यक्त करते हुए कार्यक्रम में उपस्थित सभी प्रतिभागियों के स्वास्थ्य जीवन की कामना की। इस अवसर पर डीन ऑफ कालेजिज् डा. अनिल कुमार पुंडीर, छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. वी.के. बिस्नोई, फिजियोथेरेपी विभागाध्यक्ष प्रो. आर. बास्कर व प्रो. सुनील शर्मा सहित विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, अधिकारी, कर्मचारी व कर्मचारियों के परिवार के सदस्य उपस्थित रहे।





हनुमानजा क साक्षात सात्रध्य म सु.
मती रामायणजी का पाठ कर रहे हैं। पं. ट्रस्ट
जा, गिरधर गोपाल ओसापा व पं. सुशील एडवोकेट, ट्रस्टी
के ओसापा द्वारा किए गए संगीतमयी व बृजमोहन डाली

जीजेयू के फिजियोथेरेपी विभाग में आम लोगों के लिए ओपीडी फ्री आज और कल होगा योग कैम्प

भास्कर न्यूज | हिस्सार

जीजेयू के फिजियोथेरेपी विभाग की तरफ से 20 और
नुओं 21 जून को दो दिवसीय योग कैम्प लगाया जाएगा।
ताया कैम्प का संचालन विभाग के शिक्षक डॉ. नवीन कौशिक
मौके तथा निहारिका सिंह राजोरिया द्वारा किया जाएगा। विवि
ह 8 के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने बताया कि योग का
काली नियमित अभ्यास मानसिक, शारीरिक व बौद्धिक स्वास्थ्य
श्री को बेहतर बनाता है। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस लोगों में
प्रारंभ योग के प्रति जागरूकता लाने तथा योग को दुनिया में
कथा फैलाने का एक माध्यम है। विवि ने योग साइंस तथा थेरेपी
में पीजी डिप्लोमा 2018 में शुरू किया था। इस वर्ष से
विश्वविद्यालय ने योग साइंस तथा थेरेपी में मास्टर डिग्री
एवं कोर्स शुरू किया है। ऐसा करने वाला यह विवि देश के
चुनिंदा विश्वविद्यालयों में से एक है।

एवं
की फिजियोथेरेपी विभाग अध्यक्ष प्रो. आर. बास्कर
मीणों ने बताया कि विभाग में पीजी डिप्लोमा इन योग साइंस
भजन एंड थेरेपी की 30 सीटें तथा एमएम इन योग साइंस एंड
हेला, थेरेपी की 40 सीटें हैं। फिजियोथेरेपी विभाग आम नागरिक
सहित को निःशुल्क ओपीडी सेवा भी उपलब्ध करवा रहा है।
दौरान फिजियोथेरेपी विभाग की इंचार्ज डॉ. शबनम जोशी ने बताया
साथ- कि फिजियोथेरेपी विभाग में बीपीटी, एमपीटी तथा पीएचडी
भी कोर्स चलाए जा रहे हैं। फिजियोथेरेपी व योगा लाईफ स्टाइल
से जुड़ी बीमारियों को ठीक करने में भी लाभदायक है।

Final Draft Press Note

From: PROGJUST (progjust2@gmail.com)

To: vc_gju@yahoo.co.in

Date: Friday, 6 September, 2019, 02:52 pm IST

गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार
06 सितम्बर 2019

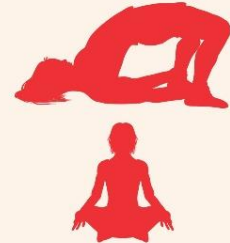
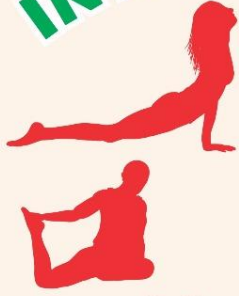
गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार के फिजियोथेरेपी विभाग के सौजन्य से विश्वविद्यालय के शिक्षण खंड-सेमिनार हॉल में 10 सितम्बर को सुबह 9:00 बजे युवाओं के लिए योग विषय पर विशेष व्याख्यान का आयोजन किया जाएगा। हनु योग परिषद के चेयरमैन एवं पतंजलि योगपीठ, हरिद्वार के प्रमुख केन्द्रीय समन्वयक डा. जयदीप आर्य व्याख्यान के मुख्य वक्ता होंगे विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार कार्यक्रम की अध्यक्षता करेंगे। इस अवसर पर पतंजलि योग पीठ हरिद्वार के हरियाणा प्रभारी एवं योग एसोसिएशन के सचिव ईश आर्य तथा विश्वविद्यालय के कुलसचिव डा. अनिल कुमार विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित होंगे।

फिजियोथेरेपी विभाग के अध्यक्ष प्रो. सुनील शर्मा ने बताया कि इस व्याख्यान में विभाग के 200 से अधिक विद्यार्थी भाग लेंगे। व्याख्यान विभाग के विद्यार्थियों के लिए अत्यंत लाभदायक सिद्ध होगा।

--
Regards,
Bijender Dahliya,
Public Relations Officer,
Guru Jambheshwar University of
Science & Technology
Hisar - Haryana
Ph. No. 01662-263144 (Office)
Mobile No. 9812015982

INTERNATIONAL DAY OF YOGA

21st June



अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस पर सभी के स्वास्थ्य एवं मंगलमय जीवन की कामना करते हुए हार्दिक बधाई एवं आमंत्रण

Organised by :



Department of Physiotherapy
Guru Jambheshwar University of Science & Technology, Hisar

Venue : Fragrance Garden, Inside Campus | Time : 6:00 AM to 8:30 AM

योग शिविर 20-21 को

हिसार। जीजेयू के फिजियोथैरेपी विभाग द्वारा 20 व 21 जून को दो दिवसीय योग शिविर का आयोजन किया जाएगा। शिविर का संचालन विभाग के शिक्षक डॉ. नवीन कौशिक तथा निहारिका सिंह राजोरिया द्वारा किया जाएगा। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने बताया कि योग का नियमित अभ्यास मानसिक, शारीरिक व बौद्धिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाता है।

उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय योग दिवस लोगों में योग के प्रति जागरूकता लाने तथा योग को दुनिया में फैलाने के लिए भारत द्वारा उठाए जा रहे कदमों के प्रति राष्ट्र गौरव की भावना उत्पन्न करने के लिए किया जाता है। विश्वविद्यालय ने योग साइंस तथा थैरेपी में पीजी डिप्लोमा 2018 में सफलतापूर्वक शुरू किया गया था तथा इस वर्ष से विश्वविद्यालय ने योग साइंस तथा थैरेपी में मास्टर डिग्री कोर्स शुरू किया है। ऐसा करने वाला यह विश्वविद्यालय देश के चुनिंदा विश्वविद्यालय में से एक है।

फिजियोथैरेपी विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. आर. बास्कर ने बताया कि विभाग में पीजी डिप्लोमा इन योग साइंस एंड थैरेपी की 30 सीट तथा एमएम इन योग साइंस एंड थैरेपी की 40 सीटें हैं। विश्वविद्यालय का फिजियोथैरेपी विभाग आम नागरिक को निशुल्क ओपीडी सेवा भी उपलब्ध करवा रहा है।

